इस पुस्तिका में **20** मुद्रित पृष्ठ हैं।
This Booklet contains **20** printed pages.

MVD18–I

परीक्षा पुस्तिका संख्या
Test Booklet No.

LANG. CODE
16

प्रश्न-पत्र—I / PAPER—I
संस्कृत भाषा परिशिष्ट / SANSKRIT LANGUAGE SUPPLEMENT
भाग IV & V / PART IV & V

परीक्षा पुस्तिका संकेत
Test Booklet Code

I

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।
Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.
इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ संख्या 20) पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page No. 20) of this Test Booklet.

संस्कृत में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 2 व 19 देखें।
For Instructions in Sanskrit, see Page Nos. 2 and 19 of this Booklet.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका का एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो **या** तो भाग—IV (भाषा—I) **या** भाग—V (भाषा—II) **संस्कृत** भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन **दोनों नहीं**।
2. परीक्षार्थी भाग I, II, III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से।
3. अंग्रेजी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग—IV व भाग—V के अन्तर्गत दिए गए हैं। भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर-पत्र पर निशान लगाने के लिए **केवल काले/नीले बॉलपॉइंट पेन** का प्रयोग करें।
5. इस भाषा पुस्तिका का **संकेत I** है। यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका का संकेत, उत्तर-पत्र के **पृष्ठ-2** एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है। अगर यह भिन्न हो, तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में **दो** भाग IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं तथा प्रत्येक 1 अंक का है :

   भाग—IV : भाषा—I (संस्कृत) (प्रश्न सं० 91–120)
   भाग—V : भाषा—II (संस्कृत) (प्रश्न सं० 121–150)
7. भाग—IV में भाषा—I के लिए 30 प्रश्न और भाग—V में भाषा—II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं। इस परीक्षा पुस्तिका में केवल संस्कृत भाषा से सम्बन्धित प्रश्न दिए गए हैं। **यदि भाषा—I और/या भाषा—II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) संस्कृत के अलावा है/हैं, तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लें। जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन-पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए।**
8. **परीक्षार्थी भाग—V (भाषा—II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा—I (भाग—IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो।**
9. रफ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर-पत्र पर ही अंकित करें। अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें। उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है।

Instructions for Candidates :

1. This Booklet is a Supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer **EITHER** Part—IV (Language—I) **OR** Part—V (Language—II) in **SANSKRIT** language, but **NOT BOTH**.
2. Candidates are required to answer Parts I, II, III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part—IV and Part—V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Black/Blue Ballpoint Pen only** for writing particulars on this page/marking responses in the Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **I**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Test Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **Two** Parts, IV and V, consisting of **60** Objective-type Questions and each carrying 1 mark :

   Part—IV : Language—I (Sanskrit) (Q. Nos. 91–120)
   Part—V : Language—II (Sanskrit) (Q. Nos. 121–150)
7. Part—IV contains 30 questions for Language—I and Part—V contains 30 questions for Language—II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Sanskrit Language have been given. **In case, the language(s) you have opted for as Language—I and/or Language—II is a language other than Sanskrit, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The languages being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.**
8. **Candidates are required to attempt questions in Part—V (Language—II) in a language other than the one chosen as Language—I (Part—IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) : ______
Name of the Candidate (in Capital letters)

अनुक्रमांक (अंकों में) : ______
Roll Number (in figures)

(शब्दों में) : ______
(in words)

परीक्षा-केन्द्र (बड़े अक्षरों में) : ______
Centre of Examination (in Capital letters)

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : ______
Candidate's Signature

निरीक्षक के हस्ताक्षर : ______
Invigilator's Signature

Facsimile Signature Stamp of Centre Superintendent ______

अस्यां पुस्तिकायां **20** पृष्ठानि सन्ति। **MVD18–I** परीक्षा-पुस्तिका-संकेतकम्

LANG. CODE
16

I

प्रश्नपत्रम्—I

संस्कृत-भाषा-परिशिष्टम्

भागः IV एवं V

यावन्न कथ्येत तावत् इयं परीक्षा-पुस्तिका न अनावरणीया।

अस्याः परीक्षा-पुस्तिकायाः पृष्ठावरणयोः (पृष्ठे 19 एवं 20) प्रदत्ताः निर्देशाः ध्यानपूर्वकं पठनीयाः।

परीक्षार्थिभ्यो निर्देशाः —

1. इयं पुस्तिका मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायाः एकं परिशिष्टं तेभ्यः परीक्षार्थिभ्यः अस्ति ये IV भागस्य (भाषा I) **अथवा** V भागस्य (भाषा II) परीक्षां **संस्कृत**भाषया दातुमिच्छन्ति, **न तु द्वयोः भागयोः**।
2. परीक्षार्थिभिः भाग I, II, III भागानाम् उत्तराणि मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकातः देयानि अपि च IV तथा V भागानाम् उत्तराणि तैः चिताभिः भाषाभिः।
3. आंग्लभाषायां हिन्दीभाषायां च प्रश्नाः मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायां IV भागे तथा V भागे च प्रदत्ताः। भाषा-परिशिष्टानि भवद्भिः पृथक्तया याचितुं शक्यन्ते।
4. अस्मिन्पृष्ठे च विवरणम् अङ्कयितुम् उत्तर-पत्रे च चिह्नम् अङ्कयितुं **केवलं कृष्ण/नील-बाल-पाइन्ट-लेखन्याः** प्रयोगः अनुमतः।
5. अस्याः भाषा-पुस्तिकायाः संकेतकं **I** वर्तते। एतच्च निश्चेतव्यं यदस्याः भाषा-परिशिष्ट-पुस्तिकायाः संकेतकम् उत्तर-पत्रस्य **पृष्ठ-2** उपरि प्रकाशितेन संकेतेन साम्यं भजति। एतदपि निश्चेतव्यं यत् मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकासंख्या उत्तर-पत्रसंख्या च परस्परं साम्यं भजेते। यदि चात्र किमपि अन्तरमस्ति तदा छात्रेण निरीक्षकमहाभागः सम्प्रार्थनीयः यत्स द्वितीयां भाषा-परिशिष्ट-परीक्षा-पुस्तिकां ददातु।
6. अस्यां परीक्षा-पुस्तिकायां **द्वौ** भागौ स्तः — IV तथा V, एतेषु 60 वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः सन्ति, प्रत्येकं च एकमङ्कं धारयति—

भागः IV	:	भाषा I (संस्कृतम्)	(प्रश्न संख्या 91 तः 120 पर्यन्तम्)
भागः V	:	भाषा II (संस्कृतम्)	(प्रश्न संख्या 121 तः 150 पर्यन्तम्)

7. IV भाषा I भागे 30 प्रश्नाः, V भाषा II भागे च 30 प्रश्नाः सन्ति। अस्यां च परीक्षा-पुस्तिकायां केवलं संस्कृतभाषासम्बद्धाः प्रश्नाः सन्ति। **यदि भाषा I उत वा भाषा II इत्येतयोः भवता संस्कृत-अतिरिक्ते भाषे चिते, तदा तद्भाषासम्बद्धा परीक्षा-पुस्तिका याचनीया। यस्याः अपि भाषायाः प्रश्नानाम् उत्तराणि भवता प्रदीयन्ते, सा भाषा नूनम् आवेदनपत्रे अभीष्टभाषाभिः सह संवदेत्।**
8. **परीक्षार्थिभिः भागः V (भाषा II) कृते, भाषातालिकातः सा भाषा चयनीया या तैः भाषा I (भागे IV) चितायाः अभीष्टभाषातः भिन्ना स्यात्।**
9. रफ कार्यं परीक्षा-पुस्तिकायां निर्धारितस्थाने एव कार्यम्।
10. सर्वाणि उत्तराणि OMR उत्तर-पत्रिकायामेव अङ्कनीयानि। सावधानमनसा चैतद् अङ्कनीयम्। उत्तरे परिवर्तनार्थं श्वेत-रञ्जकस्य प्रयोगो निषिद्धः।

परीक्षार्थिनः नाम : ________________________________

अनुक्रमाङ्कः (अङ्केषु) : ________________________________

(शब्देषु) : ________________________________

परीक्षाकेन्द्रम् : ________________________________

परीक्षार्थिनः हस्ताक्षरम् : ____________________ निरीक्षकस्य हस्ताक्षरम् : ____________________

Facsimile signature stamp of Centre Superintendent ____________________

अभ्यर्थिनः **चतुर्थभागस्य** (**Part–IV**) प्रश्नानाम् (प्र० सं० **91–120**) उत्तराणि दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा** (**Language—I**)-रूपेण चितम्।

Candidates should attempt the questions from **Part–IV (Q. Nos. 91–120)**, if they have opted **SANSKRIT** as **Language—I** only.

Part—IV / भागः —IV

Language—I / भाषा—I

Sanskrit / संस्कृतम्

अभ्यर्थिनः **चतुर्थभागस्य** (Part–IV) प्रश्नानाम् (प्र० सं० **91–120**) उत्तराणि दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा** (Language—I)-रूपेण चितम्।

सूचना : अधोलिखितानां प्रश्नानां (प्र० सं० **91–105**) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत।

91. यदा छात्राः विरामादिचिह्नविषयककौशलवर्धनार्थं शिक्षिताः भवन्ति, तदा ते——

(1) स्वस्य अधिगमकौशलं सुदृढं करिष्यन्ति

(2) लेखनशुद्धतां प्राप्स्यन्ति

(3) सम्भाषणकौशलं वर्धयिष्यन्ति

(4) स्वस्य सृजनात्मकतां वर्धापयिष्यन्ति

92. भाषाशिक्षणकक्ष्यायां रचनावादस्य (Constructivism) अर्थः भवति——

(1) छात्राः विविध-असमानदृष्टान्तान् (Dissimilar samples) पठित्वा सुदृढं समाधानं स्वयं प्राप्नुवन्ति

(2) छात्राः केनचित् अध्यापकेन सहकृताः भवन्ति, विभिन्नमाध्यमानां (Medium) साह्येन स्वकीयं सिद्धान्तं व्यवस्थापयन्ति

(3) छात्राः प्रपञ्चविषये स्वकीयम् अध्ययनं, ज्ञानञ्च वस्तूनां प्रतिबिम्बन अनुभवद्वारा, भाषाकौशलेन च प्राप्नुवन्ति

(4) छात्राः स्वकीयाम् अधिगमसामग्रीं (Learning aids) स्वयं निर्माय प्रत्यक्षज्ञानं प्राप्नुवन्ति

93. निम्नलिखितेषु कतमम् उत्तरं प्रादेशिकभाषाविकासाय समस्या नास्ति इति सूचयति?

(1) अस्मिन् विषये जनानां परिचयाभावः

(2) सुविधानाम् अभावः

(3) बोधने अस्पष्टता

(4) अनुवादविषयक-समस्याः

94. भाषार्जनसामर्थ्यं (Language acquisition) नाम——

(1) केवलम् आवश्यकशब्दावल्याः प्रयोगः

(2) तादृशस्य वातावरणस्य निर्माणं यस्मिन् बालकाः मातृभाषाऽध्ययनं कुर्युः

(3) व्याकरणस्य विश्लेषण, बोधार्थं व्यवस्थिता एका पद्धतिः

(4) मानवगतसहजप्रतिभायाः कारणेन भाषा-अध्ययनार्थम् एका प्रक्रिया

95. भाषाध्यापकः अस्मात् लेखनकौशलं शिक्षयितुं शक्नोति—

(1) श्रुतलेखनम् (Dictation)

(2) छात्राणां कृते स्पष्टतया लिखितुम् आदेशः

(3) ज्ञानवर्धकविचाराणां (Brainstorming ideas) साह्येन स्वशब्दैः मातृभाषायां लिखितुम् उक्त्वा

(4) छात्रान् लेखादीन् पठितुं सूचयित्वा

96. कक्ष्यायां पाठ्यमानसन्दर्भे छात्रः क्लिष्टान् प्रश्नान् पृच्छति। तदानीं किं क्रियते?

(1) तत्क्षणमेव गत्वा सज्जतां कृत्वा शङ्का-समाधानं क्रियते।

(2) तादृशान् सर्वानपि प्रश्नान् विलिख्य अनन्तरदिने सर्वेषां तेषां समाधानं क्रियते।

(3) पुस्तके पठित्वा पश्चात् शङ्का-समाधानं चर्चयितुं प्रयत्नः क्रियते।

(4) छात्रान् तर्जयित्वा अनुशासिताः भवितुं सूचना क्रियते।

97. रटनाभ्यासकारणेन (Cramming) विद्यार्थिनां विकासे कीदृशक्षतिः (Loss) भवति?

(1) तेषां बुद्धेः विकासः न भवति।

(2) तेषाम् आत्मविश्वासः नष्टः भवति।

(3) कक्ष्या अध्यापनक्रमात् ते दूरीकृताः भवन्ति।

(4) ते अध्ययनोपरि समुचितं ध्यानं दातुम् अशक्ताः भवन्ति।

98. भाषाशिक्षणसन्दर्भे आगमनात्मकपद्धतेः (Inductive method) एषः लाभः अस्ति—

(1) विद्यार्थिभिः गृहकार्य (Homework) करणस्य आवश्यकता नास्ति

(2) विद्यार्थिनः रटनाभ्यासं न कुर्वन्ति

(3) कक्ष्यायाम् अनुशासनं रक्षितं भवति

(4) विद्यार्थी अल्पे एव समये अधिकं पठितुं शक्नोति

99. भाषा तावत् अभिव्यक्तेः, स्वमतव्यक्तीकरणस्य सर्वश्रेष्ठं ______ माध्यमम् अस्ति।

(1) प्रचार (Propagation)

(2) संग्रह (Collection)

(3) विनिमय (Exchange)

(4) उपर्युक्तं सर्वमपि

100. भारतीयच्छात्रस्य कस्याः शिक्षणाय महती आवश्यकता अस्ति?

(1) मातृभाषायाः

(2) मातृभाषा तथा प्रादेशिकभाषयोः

(3) मातृभाषा तथा आङ्ग्लयोः

(4) काः अपि तिस्रः भाषाः

101. अभिव्याप्यकक्ष्यायां (Inclusive classroom) भाषाशिक्षणे इयम् एका समस्या——

(1) उपयुक्त-भाषाधिगमवातावरणविकासानुकूलतायाः असामर्थ्यम्

(2) उपयुक्ताधिगम (Learning)-सामग्रेः अभावः

(3) विद्यार्थिनां योग्यताविषयक-अक्षमता

(4) विद्यार्थिषु परस्परं रुचि (Interest) भेदः

102. अधस्तनेषु कतमम् उत्तरं मातृभाषाशिक्षणोपयोगि ज्ञानलक्ष्येषु अन्यतमं नास्ति?

(1) भाषातत्त्वानां प्रभूतज्ञानप्राप्तिः

(2) विषयवस्तुनः ज्ञानार्जनम्

(3) उच्चारणस्य ज्ञानार्जनम्

(4) भाषागतविभिन्नप्रकारकाणां लेखानां ज्ञानार्जनम्

103. निम्नलिखितेषु का वा पद्धतिः 'शिक्षणपद्धतिः (Teaching method)' उच्यते?

(1) चयनपद्धतिः (Selection method)

(2) रुचिपद्धतिः (Interest method)

(3) प्रेरणापद्धतिः (Motivation method)

(4) उपर्युक्तं सर्वमपि

104. भाषाशिक्षणे दृश्य-श्रव्यसामग्री (Audio-visual aids) _____ उपयुक्ता भवति।

(1) शुद्ध-उच्चारणार्थम्

(2) शुद्ध-लेखनार्थम्

(3) शुद्धपठनार्थम्

(4) न कथञ्चित्

105. उपचारात्मक-शिक्षणपद्धतिः (Remedial coaching) इति——

(1) समस्या अभिज्ञानार्थम् अपेक्षित-काठिन्यस्य स्तरं वर्धयति

(2) समस्यानां समाधाने साफल्यं प्रति प्रापयति

(3) व्यतिक्रमेण समस्यानां प्रस्तुतिं करोति

(4) समस्याः प्रति भाषासिद्धान्तज्ञानं प्रददाति

सूचना : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां (प्र० सं० **106–114**) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत।

पुरा एकस्मिन् वृक्षे एका चटका प्रतिवसति स्म। कालेन तस्याः सन्ततिः जाता। एकदा कश्चित् प्रमत्तः गजः तस्य वृक्षस्य अधः आगत्य तस्य शाखां शुण्डेन अत्रोटयत्। चटकायाः नीडं भुवि अपतत्। तेन अण्डानि विशीर्णानि। अथ सा चटका व्यलपत्। तस्याः विलापं श्रुत्वा काष्ठकूटः नाम खगः दुःखेन ताम् अपृच्छत्—''भद्रे किमर्थं विलपसि?'' इति।

चटकावदत्—''दुष्टेनैकेन गजेन मम सन्ततिः नाशिता। तस्य गजस्य वधेनैव मम दुःखम् अपसरेत्।'' ततः काष्ठकूटः तां वीणारवा-नाम्न्याः मक्षिकायाः समीपम् अनयत्। तयोः वार्तां श्रुत्वा मक्षिकावदत्—''ममापि मित्रं मण्डूकः मेघनादः अस्ति। शीघ्रं तमुपेत्य यथोचितं करिष्यामः।'' तदानीं तौ मक्षिकया सह गत्वा मेघनादस्य पुरः सर्वं वृत्तान्तं न्यवेदयताम्।

106. वृक्षे का प्रतिवसति स्म?

(1) हंसी

(2) एका

(3) चटका

(4) कोकिला

107. गजः शाखां केन अत्रोटयत्?

(1) दुःखेन

(2) शुण्डेन

(3) आयुधेन

(4) पादेन

108. मेघनादः कः अस्ति?

(1) प्रमत्तः

(2) मण्डूकः

(3) खगः

(4) मित्रम्

109. चटकायाः किं भुवि अपतत्?

(1) अन्नम्

(2) नीडम्

(3) हिरण्यम्

(4) वस्त्रम्

110. गजः कीदृशः आसीत्?

(1) प्रमत्तः

(2) दुःखितः

(3) गर्वितः

(4) बलिष्ठः

111. गजेन कानि विशीर्णानि?

(1) फलानि

(2) पुष्पाणि

(3) कुण्डानि

(4) अण्डानि

112. 'विशीर्णानि'-पदस्य अर्थः अस्ति——

(1) अण्डानि

(2) नष्टानि

(3) सञ्चितानि

(4) प्राप्तानि

113. 'अधः' इति पदस्य विलोमपदं भवति——

(1) नीचैः

(2) पार्श्वे

(3) भुवि

(4) उपरि

114. 'करिष्यामः' इति पदे लकारः अस्ति——

(1) लट् लकारः

(2) लोट् लकारः

(3) लृट् लकारः

(4) लङ् लकारः

सूचना : अधोलिखितान् श्लोकान् पठित्वा प्रश्नानां (प्र० सं० **115–120**) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत।

उद्यमेन हि सिद्ध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः॥ 1 ॥

सत्येन धार्यते पृथ्वी सत्येन तपते रविः।
सत्येन वाति वायुश्च सर्वं सत्ये प्रतिष्ठितम्॥ 2 ॥

सद्भिरेव सहासीत सद्भिः कुर्वीत सङ्गतिम्।
सद्भिर्विवादं मैत्रीं च नासद्भिः किञ्चिदाचरेत्॥ 3 ॥

मित्रेण कलहं कृत्वा न कदापि सुखी जनः।
इति ज्ञात्वा प्रयासेन तदेव परिवर्जयेत्॥ 4 ॥

प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः।
तस्मात् प्रियं हि वक्तव्यं वचने का दरिद्रता॥ 5 ॥

श्रेष्ठं जनं गुरुं चापि मातरं पितरं तथा।
मनसा कर्मणा वाचा सेवेत सततं सदा॥ 6 ॥

115. सर्वं कस्मिन् प्रतिष्ठितम्?

(1) पृथिव्याम्

(2) वायौ

(3) सत्ये

(4) रवौ

116. कैः न किञ्चिदाचरेत्?

(1) सद्भिः

(2) असद्भिः

(3) मित्रैः

(4) बन्धुभिः

117. केन कार्याणि सिद्ध्यन्ति?

(1) मनोरथेन

(2) सुप्तेन

(3) उद्यमेन

(4) मुखेन

118. मित्रेण किं कृत्वा जनः कदापि सुखी न भवति?

(1) कलहम्

(2) प्रयासम्

(3) मैत्रीम्

(4) परिवर्जनम्

119. प्रियवाक्यप्रदानेन के तुष्यन्ति?

(1) मानवाः

(2) जन्तवः

(3) देवाः

(4) न कोऽपि

120. श्रेष्ठपदस्य पर्यायः अस्ति—

(1) गुरुः

(2) माता

(3) पिता

(4) उत्तमः

अभ्यर्थिनः **पञ्चमभागस्य** (**Part–V**) प्रश्नानाम् (प्र० सं० **121–150**) उत्तराणि दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं द्वितीयभाषा** (**Language—II**)-रूपेण चितम्।

Candidates should attempt the questions from **Part–V (Q. Nos. 121–150)**, if they have opted **SANSKRIT** as **Language—II** only.

→

Part—V / भागः —V

Language—II / भाषा—II

Sanskrit / संस्कृतम्

अभ्यर्थिनः **पञ्चमभागस्य** (Part–V) प्रश्नानाम् (प्र० सं० **121–150**) उत्तराणि दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं द्वितीयभाषा** (Language—II)-रूपेण चितम्।

सूचना : अधोलिखितानां प्रश्नानां (प्र० सं० **121–135**) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत।

121. प्राथमिक-विद्यालयस्य कस्यचन विद्यार्थिनः श्रवण-वाचनकौशलयोः विकासनार्थं निम्नलिखितपद्धतिषु का वा पद्धतिः उपयुक्ता भवति?

(1) कथा श्रावणं तथा श्रुतलेखनम् (Dictation)

(2) काव्यपाठः तथा भाषाप्रयोगशाला (Language laboratory)

(3) अभिनयः तथा वार्तावाचनम् (News reading)

(4) अभिनयः तथा संवादः (Interaction)

122. भाषायाः उपचारात्मकशिक्षणस्य (Remedial teaching) उद्देश्यः कः?

(1) विद्यार्थिनां प्रारम्भिकत्रुटीनां निवारणम्

(2) ज्ञानसम्बन्धित्रुटीनां परिष्करणम्

(3) विद्यार्थिषु आत्मविश्वासभावनायाः विकासः

(4) उपर्युक्तं सर्वमपि

123. भाषायाः सामान्य-अवगमस्य ज्ञानार्थं मूल्याङ्कने सर्वाधिक-उपयुक्तः प्रश्नः कीदृशः भवति?

(1) अतिलघु-उत्तरात्मकः

(2) दीर्घ-उत्तरात्मकः

(3) निबन्धात्मकः

(4) विकल्पात्मकः (Objective type)

124. "बालाः भाषाध्ययनार्थम् अपेक्षितक्षमतां पुरस्कृत्य उत्पन्नाः भवन्ति"—कः अवदत्?

(1) जीन् पीगेट् (Jean Piaget)

(2) चाम्स्की (Chomsky)

(3) व्योगोटस्की (Vyogotsky)

(4) पावलोव् (Pavlov)

125. कदाचित् काचित् बालिका हिन्दीभाषाप्रयुक्त-राज्यात् भवतः प्रान्तम् आगच्छति, तथा भवतः सम्बन्धि भाषाप्रयोगे प्रमादान् करोति। तदा एकः अध्यापकः भूत्वा अधस्तनेषु कथनेषु किं युक्तमिति भवान्/भवती चिन्तयति?

(1) तस्याः भाषाप्रयोगप्रमादानां विषये वारं वारं स्मारणीयम्।

(2) तस्यै समीचीनभाषाप्रयोगार्थम् इतोपि अवकाशाः देयाः।

(3) प्रतिदिनं अर्धघण्टां यावत् नूतनभाषाभ्यासः करणीयः।

(4) तस्याः मातृभाषाप्रभावः अधीयमाननूतनभाषायाः उपरि न स्यात्।

126. निम्नलिखितस्य कस्य उद्देशस्य अनुसारं भाषाशिक्षणस्य आवश्यकता न भवति?

(1) जीवनस्य विविधदशानां ज्ञानार्थम्

(2) भाषाबोधस्य (Language comprehension) अध्ययनार्थम्

(3) आभ्यन्तरस्वरस्य (Inner voice) वाचनार्थं, श्रवणार्थञ्च

(4) जीवनस्य विविधावश्यकतानां परिपूरणार्थम्

127. भाषासन्दर्भे निबन्धात्मकप्रश्नार्थं निम्नलिखितेषु उचितं किम्?

(1) विद्यार्थिनः सामर्थ्यानुसारं मूल्याङ्कने सहायकं भवति येन स्वस्य विचारान् लिखितभाषायां व्यवस्थितरूपेण व्यक्तीकरोति

(2) एतत् विद्यार्थिनां परीक्षासु केषाञ्चन प्रश्नानाम् उत्तरकरणार्थं सहायकं भवति

(3) विद्यार्थिभिः केषाञ्चन प्रश्नानां कृते एव उत्तरं सज्जीकरणीयम्। एवं प्रकारेण तैः बहुपठनसमयः रक्षितः भवति

(4) एतत् सम्पूर्णपाठ्यक्रमम् आवेशयति

128. दिव्याङ्गानां (Children with special needs) लेखनकौशलवर्धनार्थं कस्य आवश्यकता भवति?

(1) विचाराणां मौलिकता

(2) प्रतीकात्मक-भाषायाः (Symbolic language) प्रयोगः

(3) समीचीनशब्दावल्याः प्रयोगः

(4) सुन्दराणि हस्ताक्षराणि

129. भाषायां निरन्तर, समग्रमूल्याङ्कनार्थं कस्योपरि बलं देयम्?

(1) उत्तम-शब्दावली (Correct vocabulary)

(2) परियोजनाकार्यम् (Project work)

(3) शुद्धोच्चारणम् (Correct pronunciation)

(4) विभिन्नसन्दर्भेषु भाषाप्रयोगसामर्थ्यम्

130. बहुभाषिकता (Multilingualism)—

(1) भाषाशिक्षणे एका बाधा

(2) भाषासंसाधनानां कृते प्रमादकारी

(3) भाषाधिगमे एकं महत्त्वपूर्णं संसाधनम्

(4) भाषाधिगमे समस्यासृष्टिं करोति

131. भाषायाः प्राथमिकरूपम् अस्ति—

(1) सङ्केतभाषा (Sign language)

(2) व्याकरणम्

(3) लिखितभाषा

(4) मौखिकभाषा

132. प्राथमिकस्तरे, कथा तथा कवित्वम्, अनयोर्मध्ये अधस्तनेषु कः पक्षः साधुः इति भवान्/भवती चिन्तयति?

(1) ते मूल्यपरकाः (Value-oriented) भवेयुः

(2) कथाः तथा कवित्वम् उभयमपि शब्दावली (Vocabulary) दृष्ट्या समृद्धौ भवेताम्

(3) विभिन्नमुख्यनामधेयानाम् उदाहरणानां पुनरावृत्तिः बहुवारं भवितव्यम्

(4) विशिष्टलेखकानां कवित्वं तथा कथाश्च

133. भाषायां व्याकरणशिक्षणं कस्य समीकरणाय सहायकं भवति?

(1) शुद्धतायाः (Accuracy)

(2) वाक्प्रवाहस्य (Fluency)

(3) सङ्ख्यात्मकतायाः (Numeracy)

(4) साक्षरतायाः (Literacy)

134. लेखनपरम्परायां अधस्तनेषु किं सम्बद्धम् अस्ति?

(1) कथाविचाराः (Story ideas)

(2) कल्पना

(3) विरामचिह्नानां सम्यक्प्रयोगः

(4) समीचीन-शब्दावली

135. भाषायां मूल्याङ्कनस्य मुख्य-उद्देशः कः स्यात्?

(1) शिक्षार्थिषु त्रुटीनाम् अन्वेषणम्

(2) विद्यार्थिनां प्रदर्शनं दृष्ट्वा प्रोन्नति (Promotion) कृते निर्णयः

(3) विद्यार्थिसाधित-उपलब्धीनाम् आकलनम्

(4) अधिगमे त्रुटीनां निरीक्षणं तथा न्यूनता परिष्करणम्

सूचना : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां (प्र० सं० **136–143**) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत।

उत्सवे, व्यसने, दुर्भिक्षे, राष्ट्रविप्लवे, दैनन्दिनव्यवहारे च यः सहायतां करोति सः बन्धुः भवति। यदि विश्वे सर्वत्र एतादृशः भावः भवेत् तदा विश्वबन्धुत्वं सम्भवति।

परन्तु अधुना निखिले संसारे कलहस्य अशान्तेः च वातावरणम् अस्ति। मानवाः परस्परं न विश्वसन्ति। ते परस्य कष्टं स्वकीयं कष्टं न गणयन्ति। अपि च समर्थाः देशाः असमर्थान् देशान् प्रति उपेक्षाभावं प्रदर्शयन्ति, तेषाम् उपरि स्वकीयं प्रभुत्वं स्थापयन्ति। संसारे सर्वत्र विद्वेषस्य, शत्रुतायाः, हिंसायाः च भावना दृश्यते। देशानां विकासः अपि अवरुद्धः भवति।

इयं महती आवश्यकता वर्तते यत् एकः देशः अपरेण देशेन सह निर्मलेन हृदयेन बन्धुतायाः व्यवहारं कुर्यात्। विश्वस्य जनेषु इयं भावना आवश्यकी। ततः विकासिताविकासितदेशयोः मध्ये स्वस्था स्पर्धा भविष्यति। सर्वे देशाः ज्ञानविज्ञानयोः क्षेत्रे मैत्रीभावनया सहयोगेन च समृद्धिं प्राप्तुं समर्थाः भविष्यन्ति।

136. विश्वे सर्वत्र कीदृशः भावः भवेत्?

(1) विश्वबन्धुत्वभावः

(2) उपेक्षाभावः

(3) हिंसाभावः

(4) विकासभावः

137. निखिले संसारे कलहस्य अशान्तेः वा वातावरणस्य कारणम्—

(1) सहायता-अभावः

(2) विश्वासाभावः

(3) विकासाभावः

(4) व्यवहाराभावः

138. बहुविषयेषु यः सहायतां करोति, सः भवति—

(1) मित्रम्

(2) शत्रुः

(3) बन्धुः

(4) सेवकः

139. ज्ञानविज्ञानयोः क्षेत्रे समृद्धिं प्राप्तुं का भावना अपेक्षिता भवति?

(1) स्पर्धाभावना

(2) प्रभुत्वभावना

(3) विश्वबन्धुत्वभावना

(4) मैत्रीभावना

140. 'एतादृशः' इति पदं कस्मिन् गणे अन्तर्भवति?

(1) नामवाचके

(2) सर्वनाम्नि

(3) क्रियाविशेषणे

(4) क्रियायाम्

141. 'कुर्यात्' इति पदं कस्मिन् लकारे प्रयुक्तम्?

(1) लट्

(2) लिङ्

(3) लोट्

(4) लङ्

142. 'सहयोग'शब्दस्य पर्यायः अस्ति—

(1) योगाभ्यासः

(2) सहकारः

(3) आविष्कारः

(4) गणनम्

143. संसारे सर्वत्र किं दृश्यते?

(1) विद्वेषः

(2) शत्रुता

(3) हिंसा

(4) उपर्युक्तं सर्वमपि

सूचना : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां (प्र० सं० **144–150**) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत।

विश्वस्य उपलब्धासु भाषासु संस्कृतभाषा प्राचीनतमा भाषास्ति। भाषेयम् अनेकानां भाषाणां जननी मता। प्राचीनयोः ज्ञान-विज्ञानयोः निधिः अस्यां सुरक्षितः। संस्कृतस्य महत्त्वविषये केनापि कथितम्—''भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा''।

इयं भाषा अतीव वैज्ञानिकी। केचन कथयन्ति यत् संस्कृतमेव सङ्गणकस्य कृते सर्वोत्तमा भाषा। अस्याः वाङ्मयं वेदैः पुराणैः नीतिशास्त्रैः चिकित्साशास्त्रादिभिश्च समृद्धमस्ति। कालिदासादीनां विश्वकवीनां काव्यसौन्दर्यम् अनुपमम्। कौटिल्यरचितम् अर्थशास्त्रं जगति प्रसिद्धमस्ति। गणितशास्त्रे शून्यस्य प्रतिपादनं सर्वप्रथमम् आर्यभटः अकरोत्। चिकित्साशास्त्रे चरकसुश्रुतयोः योगदानं विश्वप्रसिद्धम्। संस्कृते यानि अन्यानि शास्त्राणि विद्यन्ते तेषु वास्तुशास्त्रं, रसायनशास्त्रं, खगोलविज्ञानं, ज्योतिषशास्त्रं, विमानशास्त्रम् इत्यादीनि उल्लेखनीयानि।

संस्कृते विद्यमानाः सूक्तयः अभ्युदयाय प्रेरयन्ति। यथा—सत्यमेव जयते, वसुधैव कुटुम्बकम्, विद्ययाऽमृतमश्नुते, योगः कर्मसु कौशलम् इत्यादयः। सर्वभूतेषु आत्मवत् व्यवहारं कर्तुं संस्कृतभाषा सम्यक् शिक्षयति।

144. 'प्रतिष्ठे' इति पदं कस्यां विभक्तौ अस्ति?

(1) सम्बोधन-एकवचने

(2) प्रथमाद्विवचने

(3) सप्तमी-एकवचने

(4) सप्तमीद्विवचने

145. ज्ञानविज्ञानयोः निधिः कस्यां सुरक्षितः?

(1) संस्कृतभाषायाम्

(2) प्रतिष्ठायाम्

(3) संस्कृतौ

(4) चिकित्सायाम्

146. 'सूक्ति'शब्दस्य कोऽर्थः?

(1) मन्त्रः

(2) पद्यम्

(3) सुभाषितम्

(4) ऋक्

147. कस्मिन् शास्त्रे चरकसुश्रुतयोः योगदानं विश्वप्रसिद्धम्?

(1) गणितशास्त्रे

(2) वास्तुशास्त्रे

(3) विमानशास्त्रे

(4) चिकित्साशास्त्रे

148. ''भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा''—इति केनोक्तम्?

(1) कालिदासेन

(2) केनापि

(3) विश्वनाथेन

(4) दण्डिना

149. सर्वभूतेषु आत्मवत् व्यवहारं कर्तुं संस्कृतभाषा शिक्षयति चेत् तेन किं प्राप्यते?

(1) आत्मज्ञानम्

(2) व्यवहारज्ञानम्

(3) भाषाज्ञानम्

(4) समानता

150. 'सङ्गणक'शब्दस्य कोऽर्थः?

(1) केल्क्युलेटर (Calculator)

(2) कम्प्यूटर (Computer)

(3) गणितम् (Mathematics)

(4) अबाकस् (Abacus)

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

अवधानपूर्वकम् एते निर्देशाः मनसि धारणीया—

1. विभिन्नप्रश्नानाम् उत्तरं कथं प्रदेयमिति प्रश्नपत्रे व्याख्यातम् अस्ति। प्रश्नानाम् उत्तरलेखनात् पूर्वं तत् अवश्यं पठनीयम्।
2. प्रत्येकं प्रश्नार्थं चत्वारि वैकल्पिकोत्तराणि निर्दिष्टानि, तेषु समुचितोत्तरप्रदानार्थं ओ० एम० आर० (OMR) उत्तर-पत्रिकायाः पृष्ठे-2 **केवलम् एकमेव वृत्तं पूर्णरूपेण कृष्ण/नील-बाल-पाइन्ट-लेखन्याः** प्रपूरणीयम्। एकवारम् उत्तराङ्कनान्तरं न तत्परिवर्तयितुं शक्यते।
3. परीक्षार्थिभिः उत्तर-पत्रं नैव तिर्यक्करणीयम्, न च कथंकारमपि तद् अन्यथाप्रकारेण अङ्कनीयम्। परीक्षार्थी स्वीयानुक्रमाङ्कम् उत्तर-पत्रे निर्धारितस्थानातिरिक्तम् अन्यत्र कुत्रापि न लिखेत्।
4. परीक्षा-पुस्तिकायाः उत्तर-पत्रस्य च प्रयोगः सावधानं करणीयः। कस्यामपि परिस्थितौ (केवलं तां परिस्थितिं विहाय यदा परीक्षा-पुस्तिकायाः उत्तर-पत्रस्य च सङ्केतके सङ्ख्यायां वा भिन्नता दृश्यते) द्वितीय-परीक्षा-पुस्तिका नोपलभ्या एव।
5. परीक्षा-पुस्तिकायाम् उत्तर-पत्रे च प्रदत्त-सङ्केतक-सङ्ख्या परीक्षार्थिभिः उपस्थितिपत्रके सम्यक्रीत्या अवश्यमेव लेखनीया।
6. ओ० एम० आर० (OMR) उत्तर-पत्रिकायां कूटस्थ (Coded) सूचनानां पठनं यन्त्रद्वारा भविष्यति। अतः कापि सूचना असम्पूर्णा न स्यात्। तथैव प्रवेशपत्रस्य सूचनातः भिन्ना सूचना न प्रदेया।
7. प्रवेशपत्रं विहाय अन्य-मुद्रित-लिखित-पाठ्यसामग्री कर्गदचिटिकां 'पेजरम्' इति चलदूरभाषां, विद्युत्-उपकरणानि अथवा कामपि अन्यसामग्रीं परीक्षाभवनं कक्षं वा नेतुम् अनुमतिः न अस्ति।
8. परीक्षा गृहे/प्रकोष्ठे मोबाइलयन्त्रं वेतारसूचनायन्त्रं (स्वीच आफ कृत्वा अपि) अन्यानि च प्रतिबन्धितवस्तूनि नैव आनेतव्यानि। एतस्य नियमस्य उल्लङ्घनम् अनुचितमार्गावलम्बनम् इति विधास्यते यस्य कृते दण्डस्य विधानम् अस्ति। परीक्षातः निष्कासनम् अपि भवितुम् अर्हति।
9. निरीक्षणसमये परीक्षार्थिभिः प्रवेशपत्रं निरीक्षकाय अवश्यं दर्शनीयम्।
10. केन्द्र अधीक्षकस्य निरीक्षकस्य वा अनुमतिं विना परीक्षार्थिभिः स्थानं न परित्यक्तव्यम्।
11. कार्यरतनिरीक्षकाय उत्तर-पत्रं दत्त्वा उपस्थितिपत्रके च हस्ताक्षरं पुनः कृत्वा एव परीक्षार्थिभिः परीक्षाभवन-कक्षं वा परित्यक्तव्यं न अन्यथा। यदि केनापि परीक्षार्थिना उपस्थितिपत्रिकायां पुनः हस्ताक्षरं न क्रियते तर्हि 'परीक्षार्थिना उत्तर-पत्रं न दत्तम्' इति अभिप्रायः। इदम् अनुचितसाधनानां प्रयोगस्य रूपम् इति मन्तव्यम्।
12. वैद्युत-हस्तचालित-परिकलकस्य उपयोगः सर्वथा वर्जितः।
13. परीक्षाभवने कक्षे वा अनुकूलाचरणाय परीक्षार्थिनः सङ्घटनस्य सर्वैः नियमैः विनियमैः वा नियमिताः। अनुचितसाधनानाम् उपयोगेन सम्बद्धाः निर्णयाः सङ्घटनस्य नियम-विनियम-अनुवर्तनीयाः एव।
14. कस्यामपि परिस्थितौ परीक्षा-पुस्तिकायाः उत्तर-पत्रस्य वा कोऽपि भागः पृथक् न करणीयः।
15. **परीक्षासम्पन्नानन्तरं परीक्षार्थिनः परीक्षाभवन-परित्यजनात् पूर्वं उत्तर-पत्रं कक्षनिरीक्षकाय अवश्यमेव प्रदास्यन्ति। परीक्षार्थिनः इमां परीक्षा-पुस्तिकां नेतुम् अनुमताः।**

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. जिस प्रकार से विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए जाने हैं उसका वर्णन परीक्षा पुस्तिका में किया गया है, जिसे आप प्रश्नों का उत्तर देने से पहले ध्यान से पढ़ लें।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर-पत्र के **पृष्ठ-2** पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह **काले/नीले बॉलपॉइंट पेन** से भरें। एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है।
3. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर-पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ। परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर-पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें।
4. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर-पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर-पत्र के संकेत या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी।
5. परीक्षा पुस्तिका/उत्तर-पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका संकेत व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से हाजिरी-पत्र में लिखें।
6. OMR उत्तर-पत्र में कोडित जानकारी को एक मशीन पढ़ेगी। इसलिए कोई भी सूचना अधूरी न छोड़ें और यह प्रवेश-पत्र में दी गई सूचना से भिन्न नहीं होनी चाहिए।
7. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश-पत्र के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य-सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
8. मोबाइल फोन, बेतार संचार युक्तियाँ (स्विच ऑफ अवस्था में भी) और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएँ परीक्षा हॉल/कक्ष में नहीं लाई जानी चाहिए। इस सूचना का पालन न होने पर इसे परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग माना जाएगा और उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, परीक्षा रद्द करने सहित।
9. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-पत्र दिखाएँ।
10. केन्द्र अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें।
11. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर-पत्र दिए बिना एवं हाजिरी-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल/कक्ष नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार हाजिरी-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए, तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर-पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा। **परीक्षार्थी अपने बाएँ हाथ के अँगूठे का निशान हाजिरी-पत्र में दिए गए स्थान पर अवश्य लगाएँ।**
12. इलेक्ट्रॉनिक/हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है।
13. परीक्षा हॉल/कक्ष में आचरण के लिए परीक्षार्थी बोर्ड के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं। अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला बोर्ड के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा।
14. किसी हालत में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर-पत्र का कोई भाग अलग न करें।
15. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी हॉल/कक्ष छोड़ने से पूर्व उत्तर-पत्र निरीक्षक को अवश्य सौंप दें।** ***परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं।***

READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY :

1. The manner in which the different questions are to be answered has been explained in the Test Booklet which you should read carefully before actually answering the questions.
2. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with **Black/Blue Ballpoint Pen** on **Side-2** of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
3. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
4. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
5. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet/Answer Sheet in the Attendance Sheet.
6. A machine will read the coded information in the OMR Answer Sheet. Hence, no information should be left incomplete and it should not be different from the information given in the Admit Card.
7. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the Examination Hall/Room.
8. Mobile phones, wireless communication devices (even in switched off mode) and the other banned items should not be brought in the Examination Halls/Rooms. Failing to comply with this instruction, it will be considered as using unfair means in the examination and action will be taken against them including cancellation of examination.
9. Each candidate must show on demand his/her Admit Card to the Invigilator.
10. No candidate, without special permission of the Centre Superintendent or Invigilator, should leave his/her seat.
11. The candidates should not leave the Examination Hall/Room without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where a candidate has not signed the Attendance Sheet second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case. **The candidates are also required to put their left hand THUMB impression in the space provided in the Attendance Sheet.**
12. Use of Electronic/Manual Calculator is prohibited.
13. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Board with regard to their conduct in the Examination Hall/Room. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Board.
14. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
15. **On completion of the test, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Hall/Room.** ***The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.***